



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 03 जून, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय: (i) अगले 24 घंटों के दौरान केरल में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के शुरू होने की संभावना है।
(ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) और तमिलनाडु और कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना है।
(iii) इस सप्ताह के कई दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत तथा दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तूफानी हवाओं के साथ मध्यम से गंभीर गरज-चमक की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 10°N/60°E, 9°/65°E, 8.5°N/70°E, 8°N/75°E, 7.8°N/78°E, 8°N/80°E, 10°N/80°E, 13°N/87°E, 16°N/90°E, 19°N/93°E और 22°N/97°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप द्वीपों, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, तथा दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

आज, 03 जून, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र, असम और मेघालय, तमिलनाडु, केरल और माहे, तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर 70-95 किमी प्रति घंटे की गति वाली तेज़/झोंकेदार हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; जम्मू-कश्मीर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, असम और मेघालय तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में हवा की गति 50-70 किमी प्रति घंटा रही; जबकि गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल, बिहार, हिमाचल प्रदेश और सौराष्ट्र और कच्छ में हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा रही।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी आई।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (01-06-2026 तक): कल, मध्य भारत से सटे पूर्वी भारत, उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत, दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, और आंतरिक महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 38-42°C की सीमा में था, और देश के बाकी हिस्सों में 38°C से नीचे था। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43.0°C खम्मम (तेलंगाना) में दर्ज किया गया।

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (01-06-2026 तक): कल, असम और मेघालय, बिहार और हिमाचल प्रदेश के कुछ अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक ($> 5.1^{\circ}\text{C}$) था। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कई स्थानों पर; अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद के कुछ स्थानों पर; और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ अलग-अलग स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) था। सौराष्ट्र और कच्छ, तथा मध्य महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर; और ओडिशा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तथा उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ अलग-अलग स्थानों पर तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) था। झारखंड, रायलसीमा, तथा केरल और माहे के कई स्थानों पर; तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप के अधिकांश स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और विदर्भ के कुछ स्थानों पर; तथा हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पूर्वी राजस्थान और छत्तीसगढ़ के कुछ अलग-अलग स्थानों पर तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) था।
- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (02-06-2026 तक) हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और बिहार में सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) था; पश्चिमी राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, तेलंगाना, गंगा-तटीय पश्चिम बंगाल, मिजोरम, नागालैंड, असम और मेघालय में सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) तथा देश के शेष हिस्सों में सामान्य से नीचे या सामान्य के करीब रहेगा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उसके आस-पास के निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उसके आस-पास के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है, जिसके ऊपर मध्य और ऊपरी स्तर की उष्णकटिबंधीय पछुआ हवाओं में एक द्रोणिका (trough) बनी हुई है; यह द्रोणिका लगभग 70°E देशांतर के साथ-साथ 31°N अक्षांश के उत्तर में फैली हुई है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तरी तमिलनाडु तक, निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक द्रोणिका फैली हुई है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर उत्तर प्रदेश और उसके आस-पास के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण अब पूर्वी-मध्य अरब सागर और उससे सटे तटीय कर्नाटक के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी अंडमान सागर और उसके आस-पास के निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 4 जून को और 6-9 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 4-7 जून के दौरान असम और मेघालय में, 6-7 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 8-9 जून के दौरान असम और मेघालय में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 3-5 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 3 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 3-4 जून के दौरान तेलंगाना में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति $50-60$ किमी प्रति घंटा तक) के साथ अलग-अलग जगहों पर हल्की से मध्यम

बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 3-7 जून के दौरान रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 3-4 जून के दौरान केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में; 6-7 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 3-5 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 4-7 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 5-9 जून के दौरान तेलंगाना में तेज़ हवाएं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 3 जून को तटीय कर्नाटक में तेज़ हवाएं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 3-8 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 3-6 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 4-7 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में; 3-7 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 3-9 जून के दौरान केरल और माहे में; 3 जून को और 8-9 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में; 8-9 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 3-5 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक) के साथ अलग-अलग जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। ओडिशा में 3 जून को; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और बिहार में 6-9 जून के दौरान तेज़ हवाएँ (गति 40-50 kmph तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 3-9 जून के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 4-9 जून के दौरान; झारखंड में 3-7 जून के दौरान; ओडिशा में 4-7 जून के दौरान, और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 3 जून को तेज़ हवाएँ (गति 30-40 kmph तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 3-5 जून के दौरान; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 4-9 जून के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 3-4 जून के दौरान गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 50-60 kmph तक पहुँच सकती है) के साथ कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, और 5-6 जून के दौरान तेज़ हवाएँ (गति 40-50 kmph तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 3-6 जून के दौरान।
- ❖ पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान में 3-4 जून के दौरान गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 50-60 kmph तक पहुँच सकती है) के साथ कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 5 जून को; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पंजाब में 5-6 जून के दौरान तेज़ हवाएँ (गति 40-50 kmph तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 4 जून और 6 जून को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 3 जून और 5-6 जून के दौरान; पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में 5 जून को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3 जून को तेज़ हवाएँ (गति 30-40 kmph तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है; पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में 6 जून को। □ 4 जून को उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-4 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 3-5 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 4-5 जून के दौरान उत्तराखंड में; 3 जून को पश्चिमी राजस्थान में; और 4 जून को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- ❖ 3-4 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 3-5 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 4 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; और 4-5 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 50-60 kmph तक) के साथ कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट हल्की से मध्यम

बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 6-7 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 3 जून को और फिर 5-7 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; तथा 3 जून को और फिर 6-7 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में तेज़ हवाएं (गति 40-50 kmph तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 4 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 3-7 जून के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 3-6 जून के दौरान मराठवाड़ा में; और 3-5 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र तथा सौराष्ट्र और कच्छ में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 40-50 kmph तक) के साथ कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-5 जून के दौरान और फिर 8-9 जून के दौरान कोंकण और गोवा में; तथा 5 जून को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में 03 जून तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है; 04-06 जून के दौरान 2-4°C की क्रमिक गिरावट और 07-09 जून के दौरान 3-5°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी भारत में 05 जून तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 06-09 जून के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 05 जून तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है और 06-09 जून के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात राज्य में 05 जून तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है और 06-09 जून के दौरान 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 09 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ 5-9 जून के दौरान बिहार के कुछ इलाकों में, 7-9 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 8-9 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू चलने की बहुत अधिक संभावना है।
- ❖ 3 जून को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 3-7 जून के दौरान ओडिशा में; और 3-4 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 03 जून से 08 जून, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी:

03 जून से 08 जून के दौरान मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन और मालदीव क्षेत्र, श्रीलंका के तटों, दक्षिण और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के ऊपर; तथा 04 जून से 08 जून के दौरान उत्तरी तमिलनाडु के तटों से दूर।

- ❖ अरब सागर:

03 जून से 08 जून के दौरान सोमालिया के तटों के साथ और उनसे दूर, जो दक्षिण-पश्चिम अरब सागर से सटे हैं। 03 जून से 06 जून के दौरान दक्षिण महाराष्ट्र और गोवा के तटों के साथ और उनसे दूर; तथा 03 जून से 08 जून के दौरान केरल, कर्नाटक, मालदीव से सटे लक्षद्वीप और आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ और उनसे दूर।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 03 से 06 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: लॉन्ग आइलैंड (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 14;
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: कक्केरी (जिला यादगीर) 12, हुनसगी (जिला यादगीर) 9;
- ❖ केरल: कोझिकोड (जिला कोझिकोड) 10, पीरमाडे टू (जिला इडुक्की) 9, कुन्नमंगलम (जिला कोझिकोड) 7;
- ❖ तमिलनाडु: नलुमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली) 9, ऊथु (जिला तिरुनेलवेली) 8, कक्काची (जिला तिरुनेलवेली) 7;
- ❖ तेलंगाना: एनकुरु (जिला खम्मम) 9;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: डिंडोरी (जिला नासिक) 9;
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: जयापुरा (जिला चिक्कमगलुरु) 8;
- ❖ असम और मेघालय: कोकराझार (जिला कोकराझार) 7;
- ❖ तटीय कर्नाटक: सिद्धापुरा (जिला उडुपी) 7

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ असम और मेघालय: मानस 61, एससीएस_कॉलेज_ऑफ_एग्रीकल्चर_धुबरी 46, कॉलेज_ऑफ_हॉर्टिकल्चर_फार्मिंग_सिस्टम_रिसर्च 43;
- ❖ जम्मू-कश्मीर: शोपियां 59, कुप_केवीके 57, रामबन 44, चाथा_अम्फु 44, बारा_केवीके 41, सांबा 31, गुलमर्ग 30, रामबाग 30
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 60
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: निमपिथ 41
- ❖ ओडिशा: रानीताल 50
- ❖ बिहार: डुमरांव 48
- ❖ हिमाचल प्रदेश: ताबो 43
- ❖ उत्तराखंड: जौलीग्रॉंट 96
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: इंदौर 81
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरबा 50, बिलासपुर 44, सूरजपुर 43
- ❖ कोंकण और गोवा: सांता क्रूज़ (मुंबई) 50, देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 43
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: खुतबाव_दौंड (पुणे) 59, कुरवंडे (पुणे) 57, नारायणगांव (पुणे) 54
- ❖ मराठावाड़ा: अंबेजोगई (बीड) 61, हिंगोली 46

- ❖ गुजरात क्षेत्र: थराद (बनासकांठा) 52
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: भचाऊ एएमएफ्यू (कच्छ) 43
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: थिरुचेंदूर (थूथुकुडी) 54, वेधरण्यम (नागपट्टिनम) 44, मदुरै_इसरो (मदुरै) 43, कोविलपट्टी (थूथुकुडी) 43, कन्नीवाडी (डिंडीगुल) 43, वेदसंदुर (डिंडीगुल) 46, वासु_नमक्कल (नमक्कल) 50, इरोड_इसरो(इरोड) 43

अनुलग्नक I

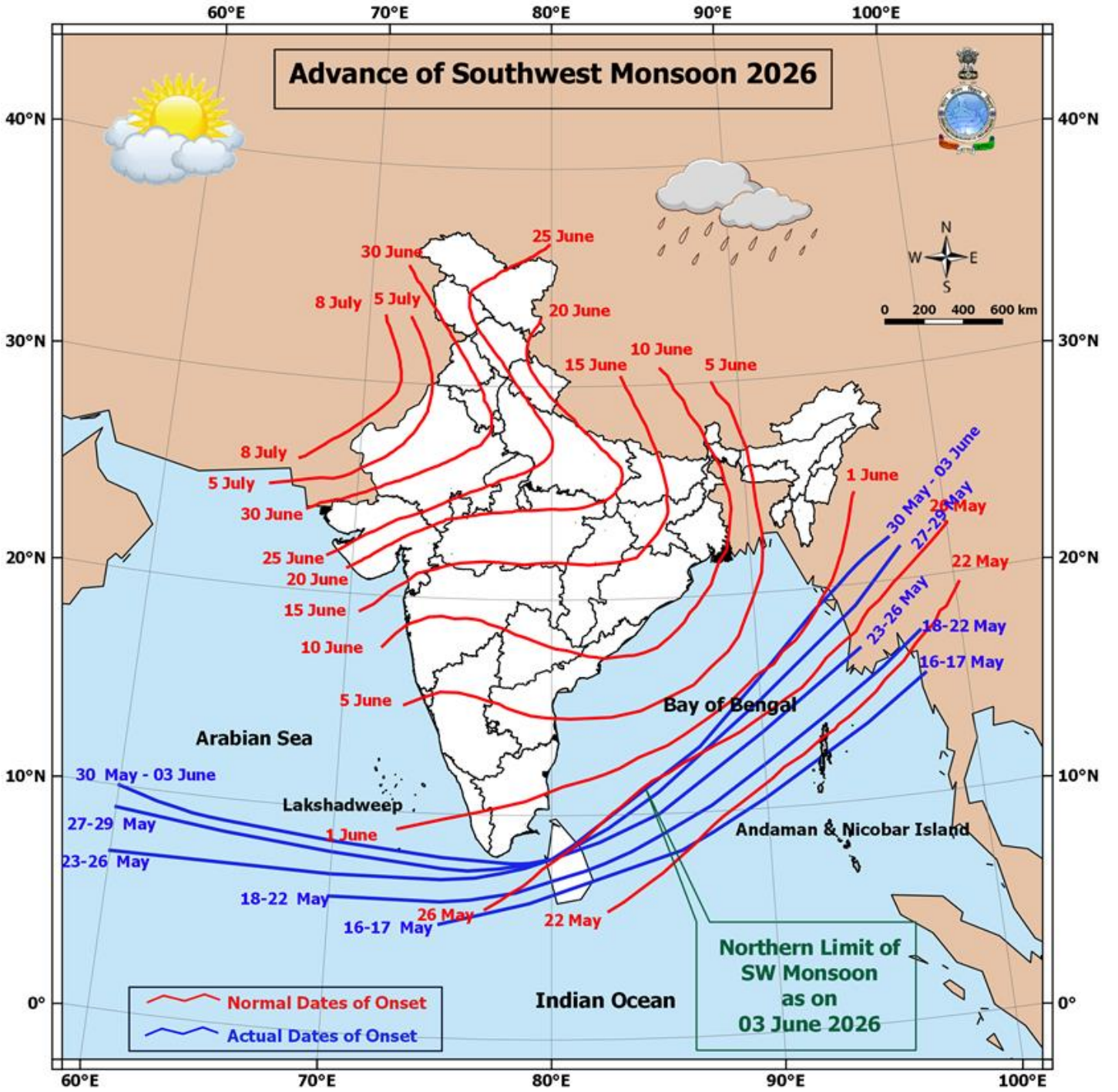
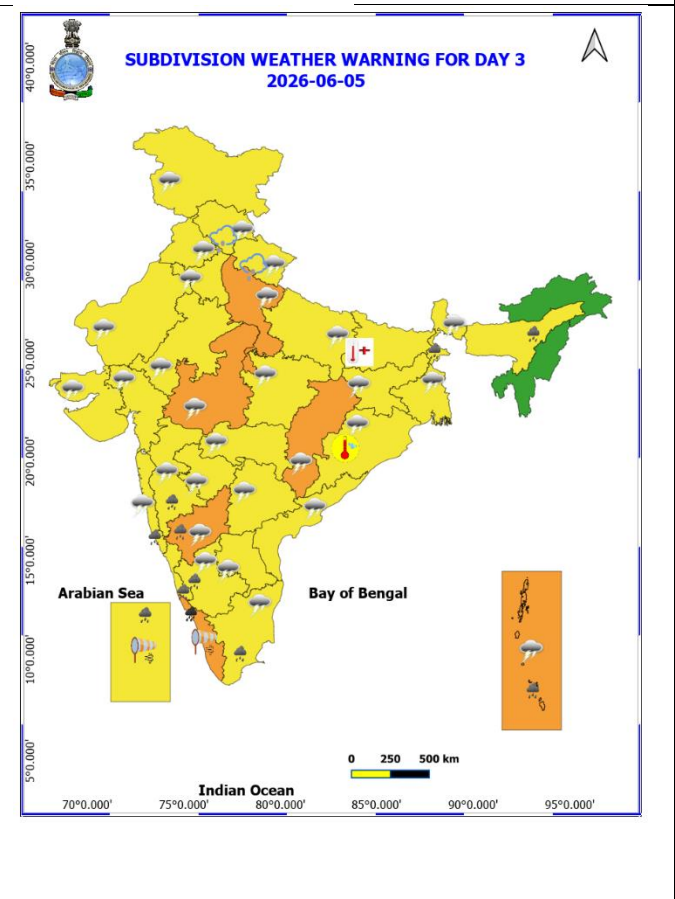
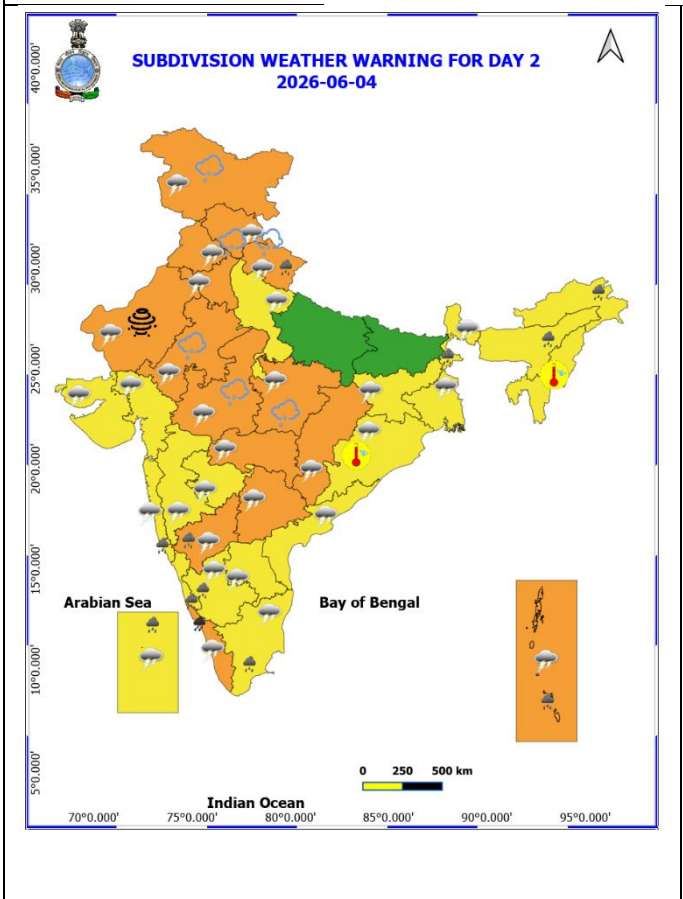
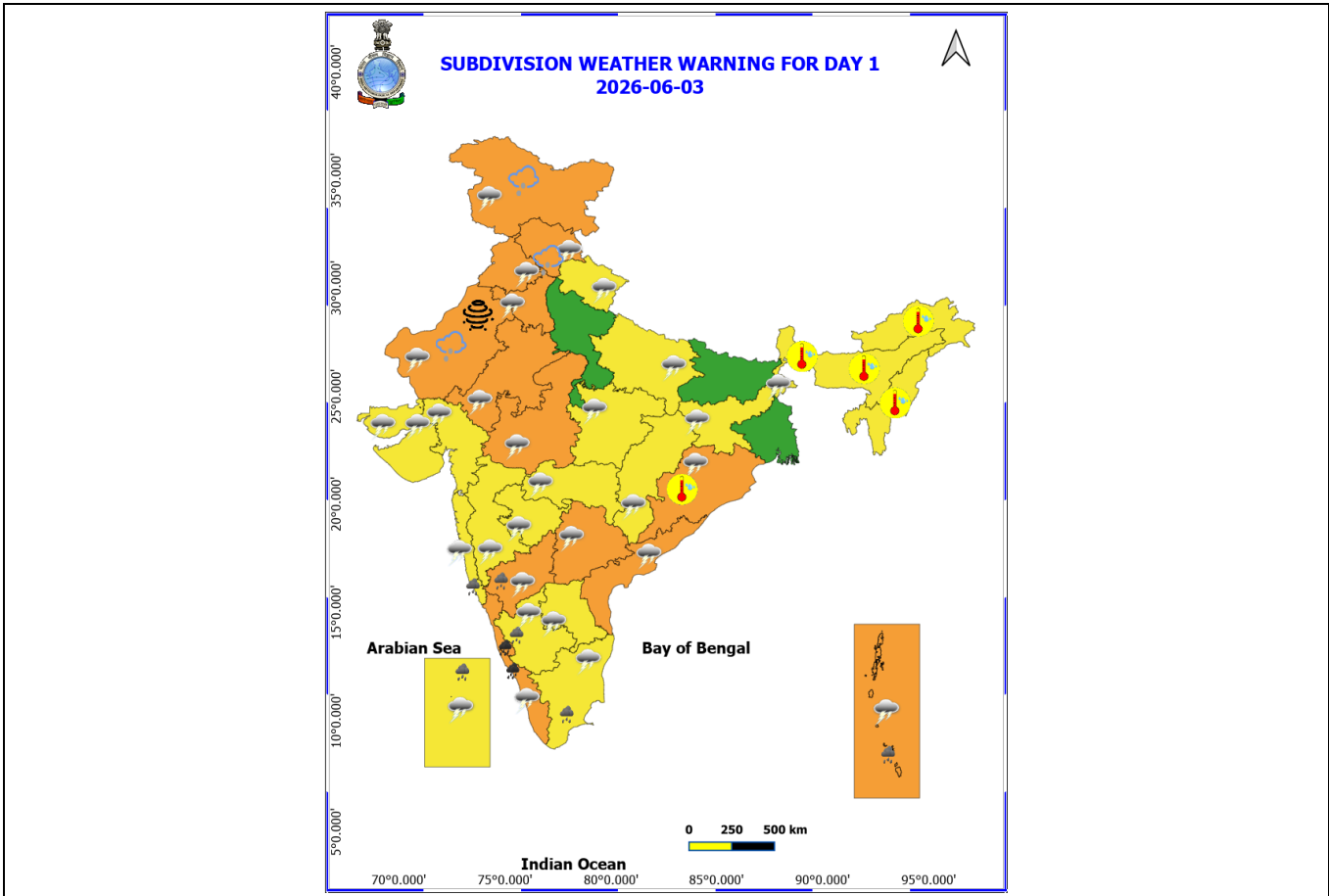
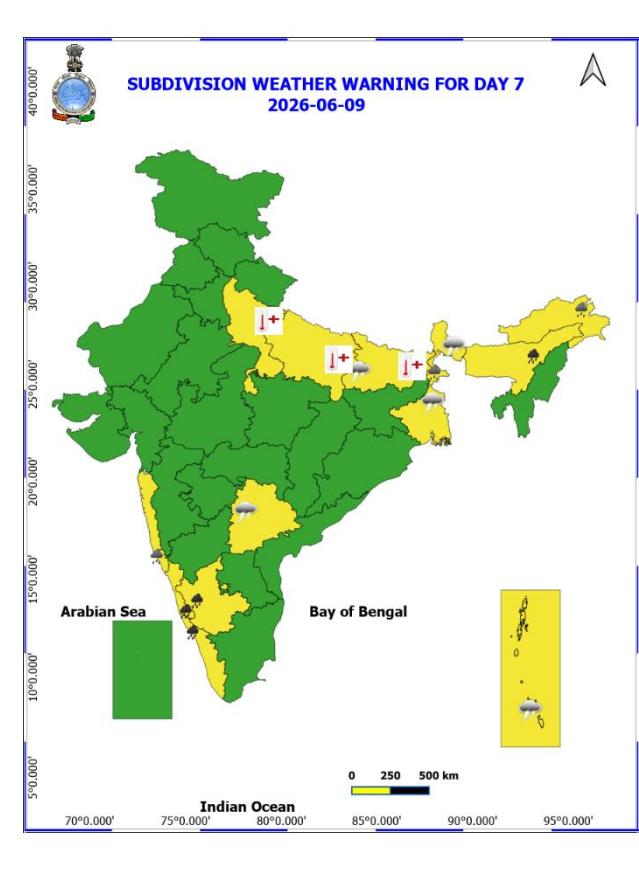
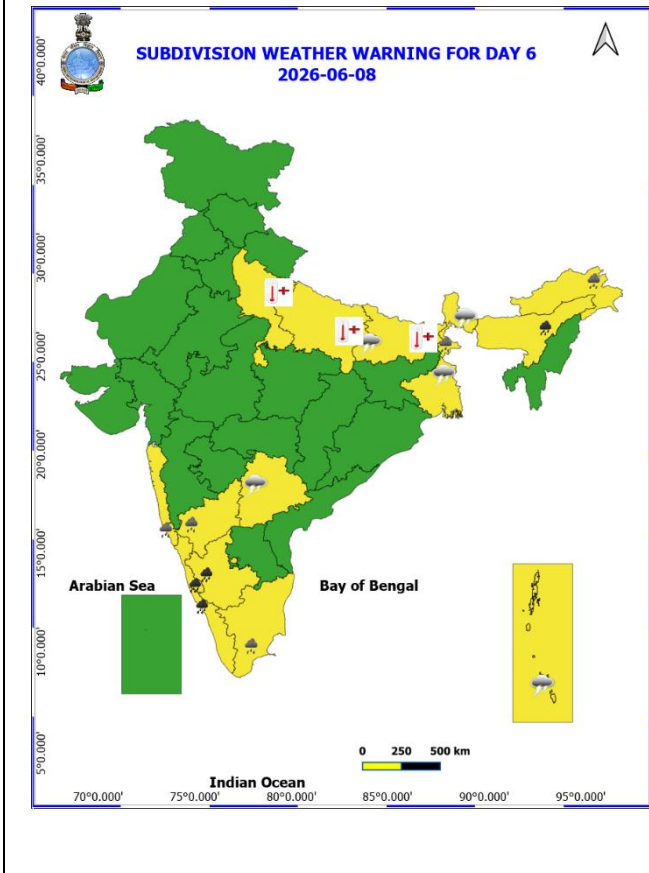
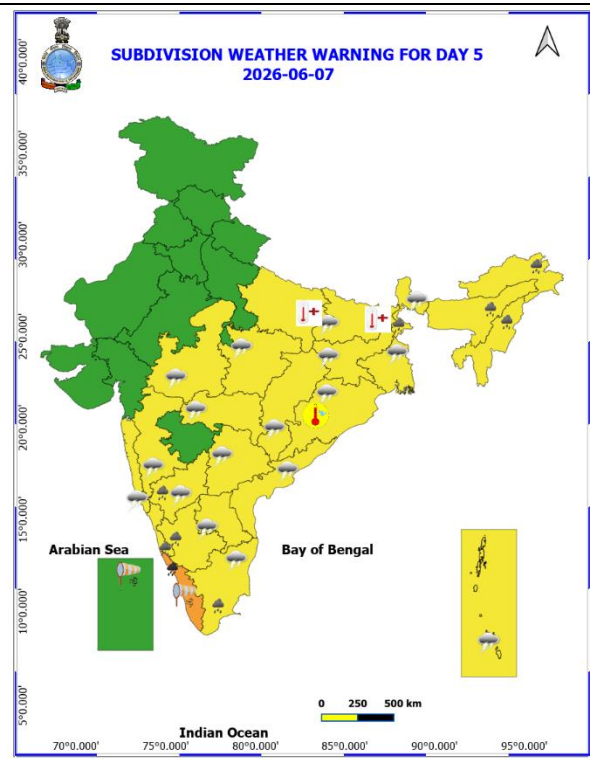
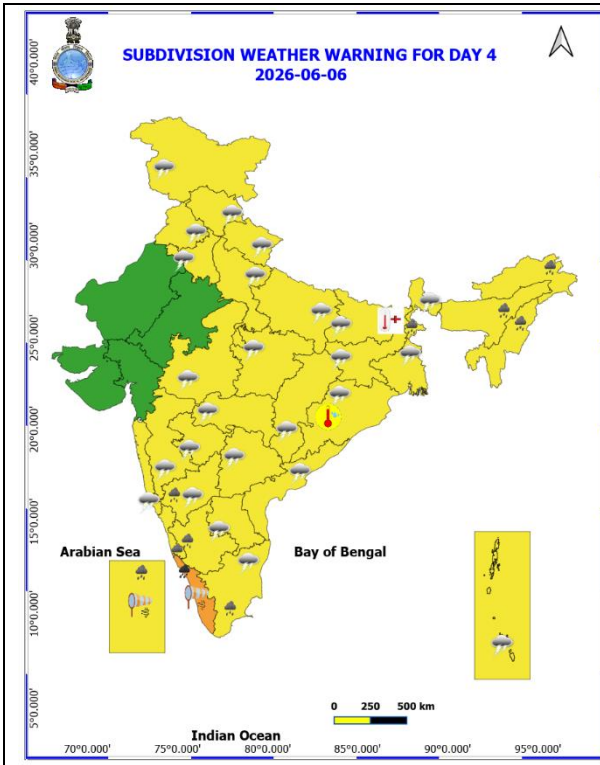


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	3- Jun	4- Jun	5- Jun	6- Jun	7- Jun	8- Jun	9- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
9	BIHAR	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	WS	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

03 से 06 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 36-38°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25-27°C की सीमा में रहा। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी नीचे (-5.1°C या उससे कम), कुछ जगहों पर सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति 18 kmph रही, जो बढ़कर 30 kmph तक पहुंच गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से सतह पर हवा की गति 15 kmph तक रहने और आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

03.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम से रात के समय गरज-चमक के साथ मौसम बदलने और सतह पर हवा की गति 30-40 kmph तक पहुंचने, जो बढ़कर 50 kmph तक हो सकती है, की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 38°C से 40°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलने और उसकी गति 15 kmph तक पहुंचने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 kmph तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

04.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो सुबह के समय आमतौर पर बादलों से घिर जाएगा। दोपहर से शाम के समय हल्की बारिश का एक दौर आ सकता है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने/धूल भरी आंधी और तेज हवाएं चल सकती हैं; हवा की गति 40-50 kmph तक पहुंच सकती है, जो बढ़कर 60 kmph तक हो सकती है। रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर आ सकता है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज हवाएँ चल सकती हैं; हवा की गति 40-50 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 60 kmph तक जा सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान भी सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिमी दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 20 kmph तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिमी दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 10 kmph तक रह जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिमी दिशा से ही चलेगी।

05.06.2026: आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। सुबह से दोपहर तक हल्की बारिश का एक दौर आ सकता है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज हवाएँ चल सकती हैं; हवा की गति 40-50 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 60 kmph तक जा सकती है। शाम से रात तक बहुत हल्की बारिश का एक और दौर आ सकता है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज हवाएँ चल सकती हैं; हवा की गति 40-50 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों में 60 kmph तक जा सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पश्चिमी दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर चलने वाली हवा की गति बढ़कर 20 kmph तक हो जाएगी और यह पश्चिमी दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 15 kmph तक रह जाएगी और यह पश्चिमी दिशा से ही चलेगी।

06.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। सुबह से दोपहर तक, गरज/बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 kmph, झोंकों में 60 kmph तक) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी।

गरज/बिजली और तेज़ हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

गरज और बिजली के साथ तेज़ हवाएँ (40-50 kmph, झोंकों में 60 kmph तक) और धूल उड़ाने वाली हवाएँ चलने की संभावना है।

- संभावित प्रभाव: पेड़ों की डालियाँ टूटना और बड़े पेड़ों का जड़ से उखड़ना, सूखे पेड़ों की डालियाँ गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, डालियाँ गिरने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से भारी नुकसान, तेज़ हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान, हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- जन सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम के अपडेट और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर ही रहें और बेवजह यात्रा करने से बचें, खिड़कियाँ और दरवाज़े सुरक्षित रूप से बंद रखें।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 3-5 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी मध्य प्रदेश में गरज के साथ तेज़ हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है, जो झोंकों में 70 किमी/घंटा तक जा सकती है) चलने की संभावना है; 3 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 3-4 जून के दौरान तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान में; 4 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; 4-5 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में; और 5 जून को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में।
- ❖ 3-4 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; 3 जून को पश्चिमी राजस्थान में; 3-5 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 4-5 जून के दौरान उत्तराखंड में; और 4 जून को पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।

- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 3-8 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 3-6 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 3-7 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 3-5 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 3-5 जून और फिर 8-9 जून के दौरान कोंकण और गोवा में; 4 जून और फिर 6-9 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 4-7 जून के दौरान असम और मेघालय, तटीय कर्नाटक में; 6-7 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; 4-9 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 4 जून को उत्तराखंड में; 5 जून को मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा, 3-9 जून के दौरान केरल और माहे में; 8-9 जून के दौरान असम और मेघालय, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 3 जून और फिर 8-9 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।
- ❖ लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:
 - ❖ □ 5-9 जून के दौरान बिहार के कुछ इलाकों में; 7-9 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 8-9 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू चलने की बहुत अधिक संभावना है।
- ❖ चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ □ तेज़ तापमान और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में अधिक है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ □ कमज़ोर लोगों (जैसे- शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के स्वास्थ्य के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है।
- ❖ □ धूप में निकलने से बचें और खुद को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ □ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ □ शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ORS या घर पर बने पेय पदार्थ (जैसे- लस्सी, तोरानी/चावल का पानी, नींबू पानी, छाछ आदि) का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, सब्जियों, मक्का और नर्सरी के खेतों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध सुनिश्चित करें। WRC धान के लिए, नर्सरी की क्यारियों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी नालियों को खुला रखें। नई बोई गई नर्सरी की क्यारियों को पॉलीथीन शीट या पुआल की मल्ल से ढक दें।
- असम में, भारी बारिश के मौजूदा दौर के बाद बोरो धान की कटाई करें और पहले से काटी गई फसल को किसी सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें। धान की नर्सरी की क्यारियों को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें। धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी की त्वरित निकासी के लिए उचित प्रबंध सुनिश्चित करें।
- मेघालय में, मौसम साफ होने पर पके हुए केले के फलों की कटाई तुरंत कर लें। मक्का, अदरक, सब्जियों, केले और अन्य बागवानी फसलों के खेतों से बारिश के अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और थालों के आस-पास पानी जमा होने से बचें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान और मक्के की कटाई करें और पहले से ही काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, जूट और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भिंडी की बुआई स्थगित करें।
- तमिलनाडु में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- केरल में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- लक्षद्वीप में, खड़ी फसलों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- कर्नाटक में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टेकिंग प्रदान करें।
- जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना है—विशेष रूप से उत्तराखंड, कोंकण और गोवा में—वहाँ खड़ी फसलों में सिंचाई रोक दें, और फसल के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

अधिक तापमान/लू के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- बिहार में - खड़ी फसलों को हल्की और बार-बार सिंचाई दें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

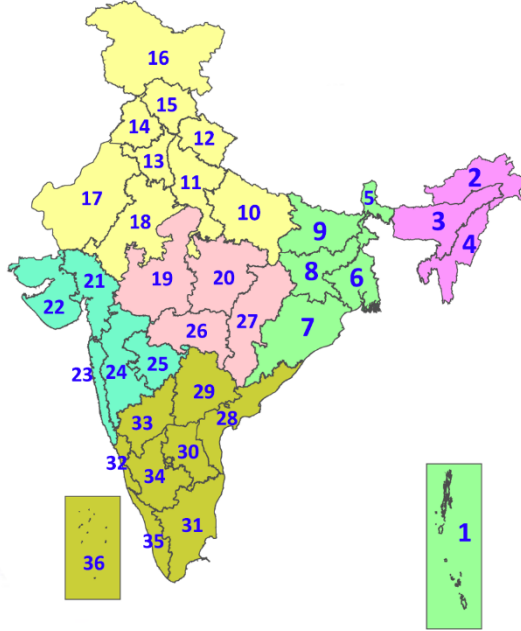
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)